B.A. Sanskrit
संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Skill Course for Sanskrit
सत्र- तृतीय (Semester –3)

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA-S312**	**भारतीय वास्तुकला प्रणाली** **Indian Architecture System**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
खण्ड – ख (Section–B) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
खण्ड– ग (Section–C) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
खण्ड– घ (Section–D) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

वास्तुशास्त्र प्राचीन भारत के स्थापत्य तथा निर्माण कला का विज्ञान है। वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रमुख परिकल्पना, नक्शा, मापन, आधार तथा स्थान-प्रबन्धन से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome)

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र प्राचीन भारत की स्थापत्यकला से अवगत होंगे।
- इस पत्र के माध्यम से छात्र वास्तुशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान प्राप्त कर उच्च अध्ययन में समर्थ होंगे।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

घटक (Unit) –1 टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – १, श्लोक ४-१३
वास्तु प्रयोजन और वास्तुस्वरूप

घटक (Unit) –2 (क) टोडरमल का **वास्तुसौख्यम् अध्याय – २,** श्लोक १४-२२

भूमि-परीक्षण, दीक्षाधानम् तथा निवासहेतु स्थाननिर्वाचन

खण्ड –ख (Section–B)

टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

घटक (Unit) –1(क) टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ३, श्लोक ३१-४९,७४-८२

गृह पर्यावरण, वृक्षारोपण तथा शल्य-शोधनम्

घटक (Unit) – 2 (क) टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ४, श्लोक ८३-१०२, १०७-११२

षड्वर्गपरिशोधनम् , वास्तुचक्रम् तथा शिलान्यास

खण्ड–ग (Section–C)

टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

घटक (Unit)1– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ६, श्लोक १७१-१९४ तथा १९५-१९६

पञ्चविधानि गृहाणि , शाला- आलिन्दप्रमाणम् तथा वीथिका प्रमाण

घटक (Unit) 2– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय - ७ श्लोक, २०३-२१७

द्वारज्ञान-स्तम्भ-प्रमाण, पञ्च चतुः शालानि गृहाणि- सर्वतोभद्रम्, नन्द्यावर्तम्, वर्धमानम् , स्वस्तिकम् तथा रुचकम्

खण्ड–घ (Section–D)

टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

घटक (Unit)1– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ८, श्लोक २८७-३०२ तथा ३०५-३०७

एकाशीति-पद-वास्तुचक्रम् तथा मर्मस्थानानि

घटक (Unit) 2– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ९, श्लोक ३२२-३३५, ३५९-३६९

वासादिशानिरूपणम्, द्वारफलम् तथा द्वारवेधफलम्

Suggested Books/Readings:

1. Shukdeo Chaturvedi, Bhāratiya Vāstu Sāstra, Sri Lal Bahadur Shasrti Rastriya Sanskrit

Vidyapeeth, New Delhi.
2. Vinod Shasrti and Shitaram Sharma, Vāstuprabodhinī, Motilal Banarsidas, Delhi.
3. Rammanohar Dwivedi and Dr. Brahmanand Tripathi, Vrihadvāstumāmā, Chaukhamba Surbharati Prakashan, Varanasi, 2112.
4. Deviprasad Tripathi, Vāstusāra, Eastern Book Linkers, Delhi, 2115.
5. Jeevanaga, Vāsturatnāvali.